Indian Nuclear Society's Public Awareness Programme on

"The Role of Mass media in the success of Nuclear Energy Technology"

At Malkanlal Chaturvedi University, Bhopal

The **Indian Nuclear Society (INS), Mumbai**, organized a public awareness programme on **"The Role of Mass Media in the Success of Nuclear Energy Technology"** on **17 August 2026** at Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication, Bhopal. The programme was aimed at creating awareness among students and faculty members about the wide-ranging applications of nuclear science and technology and highlighting the important role of mass media in communicating its benefits to society.

The programme was graced by **Shri Vijay Manohar Tiwari, Vice-Chancellor**, Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication, Bhopal, as the Chief Guest, with **Prof. V. K. Manchanda** as the Guest of Honour. Distinguished experts, including **Shri A. K. Sinha, Shri O. P. Rai, Dr. Hrishikesh Mishra, and Dr. Archana Mishra**, shared their knowledge and experiences with the participants. The Makhanlal Chaturvedi National University of Journalism and Communication, Bhopal was established in 1990 by the Madhya Pradesh Government, MCNUJC is named after Pt. Makhanlal Chaturvedi, the great editor, poet, litterateur and freedom fighter. It is the first academic centre of excellence in the entire Asian sub-continent where professionals are developed in Mass Communication, Electronic Media, and IT disciplines through traditional and modern methods of advertising & communication relevant to the current media needs.

The technical sessions covered diverse aspects of nuclear science and its relevance to India's development. **Prof. V. K. Manchanda** provided an insightful overview of India's 70-year nuclear journey, highlighting the major milestones achieved by the country and the initiatives undertaken by the Government of India towards realizing the ambitious target of 100 GW of nuclear power capacity. **Dr. Hrishikesh Mishra** discussed the management and utilization of radioactive waste generated from the nuclear industry. He explained how nuclear waste can be appropriately processed, reprocessed, and utilized for various beneficial applications. Adding a motivational dimension to the programme, **Shri A. K. Sinha** delivered an engaging talk incorporating valuable professional and life lessons. His interaction emphasized the importance of dedication, perseverance, continuous learning, and a positive approach towards building a successful career and meaningful life. **Dr. Archana Mishra** highlighted the important role of nuclear radiation in sustainable agriculture and food security. She emphasized that nuclear techniques can contribute to enhanced agricultural productivity, food security, resource sustainability, and climate-resilient agriculture. **Shri O. P. Rai** emphasized the significant role of the Indian Nuclear Society in creating awareness and promoting a scientifically informed understanding of nuclear science and radiation technology. He highlighted the need for effective communication between the scientific community, media, students, and the general public so that the benefits of nuclear technology can be communicated accurately and responsibly.

The event witnessed enthusiastic participation from **more than 200 students and faculty members**. The programme helped participants appreciate that nuclear science is not limited to nuclear power generation but has applications across several sectors that directly influence everyday life and India's socio-economic development.

The programme was organized under the guidance of **Dr. P. Shrivastava, Head,** Department of Advertising & Public Relations and Department of Cinema Studies, and Convener, with dedicated coordination by **Dr. Deepika Saxena, Shri O. P. Rai and Shri A. K. Sinha.**

Overall, the programme served as an effective platform for **scientific outreach, public awareness, and knowledge exchange**, reinforcing the message that informed communication and responsible media engagement are essential for building public confidence and understanding of nuclear science. The event received a wide coverage in various leading newspapers, including *Dainik Jagran* and other prominent media outlets.

देश के परमाणु वैज्ञानिकों ने छात्रों ने किया संवाद, बताया यह दुनिया का भविष्य

परमाणु विनाश नहीं विकास का नया सोर्स, इसके प्रति डर ठीक नहीं

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

भोपाल. परमाणु ऊर्जा भविष्य है। ये तबाही नहीं बल्कि बेहद सेहत, एग्रीकल्चर में बहुत कारगर है। ऊर्जा संकट के दौर में इससे आत्मनिर्भर हो रहे हैं। इसका डर भ्रांति है। यह बात देश के परमाणु वैज्ञानिकों ने छात्रों से रूबरू होते हुए कही। वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया कि परमाणु ऊर्जा का उपयोग केवल बिजली बनाने या हथियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध हमारी थाली, खेती और सेहत से है। इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी के अध्यक्ष और देश के वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक जीके मनचंदा सहित भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र के वैज्ञानिकों ने छात्रों से संवाद किया। आयोजन माखनलाल चतुर्वेदी विवि में हुआ। इन्होंने बताया अनजाना डर है। इसे दूर करने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है।

खेती में परमाणु चमत्कार: 72 नई किस्में और 8 महीने तक आलू-प्याज की सुरक्षा: भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. अर्चना मिश्रा ने बताया कि विकिरण तकनीक से कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं। सूरजमुखी केले सहित फसलों की 72 उन्नत किस्मों का विकास किया है। प्याज और आलू के अंकुरण को रोककर उनकी भंडारण क्षमता 8 महीने तक बढ़ा दी गई है।

ये वैज्ञानिक शामिल

इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी के प्रेसिडेंट वीके. मनचंदा, विशिष्ट अतिथि वैज्ञानिक अनादि कुमार सिन्हा, ओपी राय, डॉ. अर्चना मिश्रा, डॉ. ऋषिकेश मिश्रा उपस्थित रहे। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, कुलसचिव पी शशिकला, डीन अकादमिक डॉ. मनीष माहेश्वरी सहित स्टूडेंट सेशन में शामिल रहे।

कचरे से भी ऊर्जा, 100 गीगावाट का बड़ा लक्ष्य: तकनीकी सत्र में डॉ. ऋषिकेश मिश्रा ने 'न्यूक्लियर फ्यूल साइकल' के बारे में बताया। कहा इस्तेमाल हो चुके ईंधन (स्पेंट फ्यूल) के रीप्रोसेसिंग मॉडल से कचरे को भी संसाधन में बदला जा रहा है। भारत वर्तमान में 8.8 गीगावाट परमाणु ऊर्जा का उत्पादन कर रहा है, जिसे बढ़ाकर 100 गीगावाट तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

परमाणु का डर निकालने देश में हो रहा काम, अनुसंधान के स्कालरशिप: इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी देशभर में परमाणु ऊर्जा से जुड़े डर को खत्म करने के लिए काम कर रही है। इसी कड़ी में आयोजन था। संस्था की स्थापना 1988 में जेआरडी टाटा ने की थी। 5600 सदस्य हैं। अमेरिकन, फ्रेंच व जापानी न्यूक्लियर सोसाइटी के साथ एमओयू हैं। आईएनएस एफटीजीएस छात्रवृत्ति दे रहा है। यह परमाणु अनुसंधान में मदद करती है।

एमसीयू में परमाणु ऊर्जा तकनीक की सफलता पर विशेष सत्र 17 को

भोपाल। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय (एमसीयू) में 17 अगस्त को इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी (आईएनएस), मुंबई के सहयोग से परमाणु ऊर्जा तकनीक की सफलता और इसके लाभकारी उपयोग पर विशेष जागरूकता सत्र आयोजित होगा। कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी की अध्यक्षता में होने वाले कार्यक्रम में देश के वरिष्ठ परमाणु वैज्ञानिक विद्यार्थियों और फैकल्टी से संवाद करेंगे। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम में पूर्व विशिष्ट वैज्ञानिक एवं आईएनएस अध्यक्ष विजय कुमार मनचंदा, सेवानिवृत्त एसोसिएट डायरेक्टर एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिक ऋषिकेश मिश्रा, पूर्व एसोसिएट डायरेक्टर एवं उत्कृष्ट वैज्ञानिक, एनपीसीआईएल अनादि कुमार सिन्हा, वरिष्ठ वैज्ञानिक बीएआरसी श्रीमती अर्चना मिश्रा तथा पूर्व वैज्ञानिक एनपीसीआईएल एवं आईएनएस कोषाध्यक्ष ओ.पी. राय शामिल होंगे। विशेषज्ञ परमाणु विज्ञान की प्रगति, स्वच्छ ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि, खाद्य संरक्षण और जनसंचार में परमाणु तकनीक की भूमिका पर चर्चा करेंगे।

'परमाणु ऊर्जा को सरल भाषा में समझाए मीडिया'

सिटी रिपोर्टर • माखनलाल यूनिवर्सिटी में सोमवार को 'परमाणु ऊर्जा तकनीक की सफलता में मास मीडिया की भूमिका' विषय पर वर्कशॉप का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों और मीडिया विशेषज्ञों ने परमाणु ऊर्जा से जुड़े मिथकों, संभावनाओं और जनजागरूकता में मीडिया की भूमिका पर चर्चा की।

आईएनएस अध्यक्ष वीके मनचंदा ने कहा कि परमाणु ऊर्जा को लेकर समाज में मौजूद डर और भ्रांतियों को दूर करने के लिए वैज्ञानिक तथ्यों को सरल भाषा में लोगों तक पहुंचाना जरूरी है। बीएआरसी की डॉ. अर्चना मिश्रा ने बताया कि परमाणु तकनीक का इस्तेमाल बिजली उत्पादन के अलावा कृषि में भी हो रहा है। डॉ. ऋषिकेश मिश्रा ने बताया कि भारत वर्तमान में 8.8 गीगावाट परमाणु ऊर्जा विकसित कर रहा है और इसे 100 गीगावाट तक ले जाने का लक्ष्य है। वैज्ञानिक अनादि कुमार सिन्हा ने विद्यार्थियों को टीमवर्क, संचार और समय प्रबंधन के गुर बताए।

परमाणु वैज्ञानिकों से रूबरू होंगे स्टूडेंट्स

सिटी रिपोर्टर • माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में 17 अगस्त को परमाणु ऊर्जा के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इंडियन न्यूक्लियर सोसाइटी (आईएनएस) मुंबई की ओर से आयोजित कार्यक्रम स्टूडेंट्स को परमाणु वैज्ञानिकों के साथ बातचीत करने का मौका देगा।

विश्वविद्यालय के जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पवित्र श्रीवास्तव ने बताया - कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में आईएनएस मुंबई के वरिष्ठ सदस्य और देश के प्रमुख परमाणु वैज्ञानिक शामिल होंगे। इनमें भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के पूर्व विशिष्ट वैज्ञानिक विजय कुमार मनचंदा, वैज्ञानिक ऋषिकेश मिश्रा, एनपीसीआईएल के रिटायर्ड एसोसिएट डायरेक्टर अनादि कुमार सिन्हा, बार्क के वरिष्ठ वैज्ञानिक अर्चना मिश्रा और पूर्व वैज्ञानिक ओपी राय शामिल हैं।